

**4844**

**M.Com. (Previous) Banking & Bus. Eco.  
Examination, 2016**

**PUBLIC BUDGETING AND ADMINISTRATION**

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

**PART-A ( खण्ड-अ )** [Marks : 20

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर पचास शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

**PART-B ( खण्ड-ब )** [Marks : 50

Answer **five** questions (250 words each), selecting **one** from each Unit. All questions carry equal marks.

प्रत्येक इकाई में से एक-एक प्रश्न चुनते हुए, कुल पाँच प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

**PART-C ( खण्ड-स )**

[Marks : 30

Answer any **two** questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

कोई दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

**PART-A**

( खण्ड-अ )

1. (i) Discuss the scope of Public Finance.

राजस्व के क्षेत्र का विवेचन कीजिए।

- (ii) What are the similarities between Public and Private Finance ?

सार्वजनिक और निजी वित्त में क्या समानताएँ हैं?

- (iii) What do you understand by Shifting of Tax ?

कर-विवर्तन से क्या आशय है?

- (iv) What is the problem of Justice in Taxation ?

कराधान में न्याय की समस्या क्या है?

- (v) Explain Public expenditure.

सार्वजनिक व्यय को समझाइए।

(vi) Distinguish between Public debt and Tax.

सार्वजनिक ऋण और कर में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

(vii) Mention the functions of Finance Commission in India.

भारत में वित्त आयोग के कार्यों की व्याख्या कीजिए।

(viii) Mention the Financial Administration of India.

भारत में वित्तीय प्रशासन प्रणाली पर प्रकाश डालिए।

(ix) "Fiscal Policy can promote Investment." Discuss.

"राजकोषीय नीति द्वारा विनियोग प्रोत्साहित हो सकते हैं।" विवचना कीजिए।

(x) Discuss the importance of the Budget.

बजट के महत्त्व का विवेचन कीजिए।

## PART-B

(खण्ड-ब)

### UNIT-I

(इकाई-I)

2. "Public Finance differs from Private Finance not only degree, but also in form." Explain clearly.

"सार्वजनिक वित्त न केवल मात्रा में वरन् स्वरूप में भी निजी वित्त से भिन्न है।" स्पष्ट समझाइए।

3. Examine the extent to which Fiscal Policy can help to accelerate the Economic Development of Under developed country.

अर्द्ध विकसित देश के आर्थिक विकास को गति देने के लिए राजकोषीय नीति किस सीमा तक सहायक हो सकती है?

## UNIT-II

### ( इकाई-II )

4. Distinguish between incidence and effect of Taxation.

कर-भार तथा कर-प्रभाव का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

5. What do you understand by the term "Taxable capacity"? What are the factors determining taxable capacity ?

“कर देय क्षमता” से आप क्या समझते हैं? कर देय क्षमता को निर्धारित करने वाले घटक कौन-कौन से हैं?

## UNIT-III

### ( इकाई-III )

6. What are the Canons of Public Expenditure ? Explain clearly.

सार्वजनिक व्यय के प्रमुख सिद्धान्त क्या हैं? समझाकर लिखिए।

7. Examine the present position of Public Debt in India.

भारत में सार्वजनिक ऋण की वर्तमान स्थिति का परीक्षण कीजिए।

#### UNIT-IV

##### ( इकाई-IV )

8. Explain the Financial relations between Central and State Governments.

केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकारों के बीच वित्तीय सम्बन्धों का उल्लेख कीजिए।

9. Discuss the main trends in the Fiscal Policy of the Government of India.

भारत सरकार की राजकोषीय नीति की प्रमुख प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

#### UNIT-V

##### ( इकाई-V )

10. Discuss the objectives of Fiscal Policy in Developed Economy.

विकसित अर्थव्यवस्था में राजकोषीय नीति के उद्देश्यों की विवेचना कीजिए।

11. Examine the Budgetary Policy of the Government of India.

भारत सरकार की बजट सम्बन्धी नीति का विश्लेषण कीजिए।

### PART-C

( खण्ड-स )

12. Explain the principle of maximum Social advantage. What are the difficulties in implementing this principle ?

अधिकतम सामाजिक लाभ के सिद्धान्त को समझाइए। इस सिद्धान्त को कार्यान्वित करने में क्या कठिनाइयाँ हैं?

13. Discuss the various principles of Taxation.

करारोपण के विभिन्न सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए।

14. Discuss the Economic effects of Public expenditure on Production and Distribution.

सार्वजनिक व्यय के उत्पादन और विवरण पर आर्थिक प्रभावों की विवेचना कीजिए।

15. What are the main sources of Revenue of State Governments in India ? Are these sources adequate for their needs ?

भारत में राज्य सरकारों की आय के मुख्य स्रोत क्या हैं? क्या ये स्रोत उनकी आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त हैं?

16. Explain the concept of Deficit Financing. Discuss its role in Indian Economic development.

हीनार्थ प्रबन्ध की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। भारत के आर्थिक विकास में इसकी भूमिका का विवेचन कीजिए।